भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1531
बुधवार, 04 दिसंबर, 2024 को उत्तर देने के लिए

आंध्र प्रदेश में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कार्यक्रम

1531. डॉ. बायरेड्डी शबरी:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आंध्र प्रदेश राज्य कृषि और संसाधन प्रबंधन में सुधार लाने के उद्देश्य से किसी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कार्यक्रम से लाभ प्राप्त कर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) आंध्र प्रदेश में मौसम पूर्वानुमान और आपदा से निपटने की तैयारी पर इसरो की पहलों का क्या प्रभाव पड़ा है; और

(ग) क्या नांदयाल आंध्र प्रदेश में कोई उपग्रह केंद्र या अंतरिक्ष संबंधी सुविधाएं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) धान की फसल के लिए कटाई पूर्व फसल के एकड़वार एवं पैदावार के आकलन, आम, केला, खट्टेफल एवं हल्दी जैसे बागवानी फसलों की सूची बनाने और कृषि सूखा मूल्यांकन के लिए आंध्र प्रदेश में अंतरिक्ष आधारित सूचनाओं का उपयोग किया जाता है। प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के अंतर्गत आंध्र प्रदेश के काकीनाडा और गुंटूर जिले में धान की पैदावार के आकलन के लिए प्रायोगिक आधार पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है तथा आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा फसल बीमा संबंधी दावों के निपटान हेतु इन सूचनाओं का उपयोग किया जाता है।

इसरो भारत में भूमि उपयोग/ भू-आवरण (वार्षिक एवं 5-वर्षीय अंतराल), सतही जल विस्तार (साप्ताहिक) और परती भूमि एवं भू-अवक्रमण (दशकीय अंतराल) पर स्थानिक आंकड़ा उत्पन्न तथा प्रसारित करता है। ये सूचनाएं आंध्र प्रदेश राज्य के संसाधन प्रबंधन के लिए उपयोगी हैं।

(ख) इसरो के इन्सैट-3डीआर एवं 3डीएस, और ओशनसैट-3 जैसे मौसमविज्ञान तथा समुद्र प्रेक्षण संबंधी उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ो का भारत मौसमविज्ञान विभाग द्वारा मौसम के पूर्वानुमान तथा

...2/-

चक्रवातों और उग्र मौसमी घटनाओं की समय पूर्व चेतावनी के लिए उपयोग किया जाता है।

राष्ट्रीय जलविज्ञान परियोजना के भाग के रूप में इसरो ने उपग्रह आंकड़ों तथा उच्च विभेदन अंकीय भूभाग संबंधी आंकड़ों का उपयोग करके गोदावरी नदी के लिए स्थानिक बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणाली का विकास किया है। इसे वर्ष 2022 से प्रयोगात्मक मोड में क्रियान्वित किया गया है और 2-दिन के पूर्व समय सहित बाढ़ की चेतावनी आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भेजी जा रही है।

बाढ़ की ऋतु के दौरान, इसरो उपग्रह आंकड़ों का उपयोग करके प्रमुख बाढ़ की घटनाओं के लिए बाढ़ आप्लावन मानचित्र तैयार करता है और ये मानचित्र आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं आंध्र प्रदेश राज्य सुदूर संवेदन केंद्र को बाढ़ आपदा प्रबंधन हेतु प्रदान किए जाते हैं।

इसरो ने वर्ष 2022 में आंध्र प्रदेश के लिए बाढ़ जोखिम स्थान संबंधी एटलस जारी किया जिसे वर्ष 2000 से 2020 के दौरान उपग्रह आंकड़ों का उपयोग कर तैयार किए गए बाढ़ आप्लावन मानचित्रों की सहायता से तैयार किया गया है।

इसरो/ अंतरिक्ष विभाग ने आंध्र प्रदेश में मौसम के पूर्वानुमान और आपदा की तैयारी पर इसरो की पहलों से पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन नहीं किया है।

(ग) इसरो/ अंतरिक्ष विभाग ने नांदयाल, आंध्र प्रदेश में कोई उपग्रह डाटा केंद्र या अंतरिक्ष संबंधी सुविधाओं की स्थापना नहीं की है।

***